सांध्य दैनिक 4PM

बुद्धि का विकास मानव के अस्तित्व का अंतिम लक्ष्य होना चाहिए।
-बी. आर. आंबेडकर

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 10 ● अंकः 188 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ,सोमवार, 12 अगस्त, 2024

आप में फिर जोश भरेंगे... 7 | सियासी विसात पर सबको देना... 3 | देशवासियों की रक्षा करना हर... 2

सेबी मामले को लेकर विपक्ष के निशाने पर आई एनडीए सरकार

हिंडनबर्ग की रिपोर्ट पर फिर बवाल, कांग्रेस ने उठाए सवाल

» भाजपा ने कांग्रेस को घेरा बोली- देश में आर्थिक अराजकता की हो रही साजिश

» इंडिया गठबंधन ने की संसदीय कमेटी से जांच कराने की मांग

» हिंडनबर्ग की रिपोर्ट पूरी तरह आधारहीन : रविशंकर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) की अध्यक्ष माधवी बुच के खिलाफ अमेरिका की शोध एवं निवेश कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च के आरोपों को लेकर नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार पर विपक्ष हमलावर हो गया है। इन सब के बीच भाजपा की ओर से आज पलटवार किया गया है। भाजपा ने विपक्ष की मंशा पर सवाल खड़े किए।

'बड़े घोटाले' की जांच जेपीसी से हो : खरगे

खरगे ने कहा कि मध्यम वर्ग के छोटे और मध्यम निवेशकों को संरक्षण दिए जाने की जरूरत है क्योंकि वे अपनी मेहनत की कमाई शेयर बाजार में लगाते हैं और उनका सेबी पर भरोसा है। खरगे ने कहा कि इस 'बड़े घोटाले' की जांच संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से कराना आवश्यक है। खरगे ने आरोप लगाया कि जब तक जेपीसी इस मुद्दे की जांच नहीं करती, तब तक यह चिंता बनी रहेगी कि ''पिछले सात दशकों में कड़ी मेहनत कर बनाई गई भारत की संवैधानिक संस्थाओं से समझौता करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने सहयोगी को बचाते रहेंगे।

सेबी की जांच होनी चाहिए : अखिलेश

समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सेबी की जांच की मांग की। यादव ने एक्स पर कहा, ''सेबी की ऐतिहासिक जांच होनी चाहिए क्योंकि सेबी का इतिहास ही ऐसा रहा है कि वह कभी सही मायनों में निवेशकों का सरंक्षक व सहारा नहीं बना। उन्होंने कहा कि भारत के बाजार में निवेश के प्रति सुरक्षा की भावना जगाने के लिए सेबी की प्रतिष्ठा की पुनर्स्थापना केवल एक निष्पक्ष जांच ही कर सकती है। सेबी प्रकरण की गहन-जांच भारत की अर्थव्यवस्था के लिए अपरिहार्य है।

पार्टी ने कहा कि तीसरी बार हारने के बाद कांग्रेस पार्टी, इंडी गठबंधन के लोग और उनको प्रमोट करने वाले टूल किट के लोग भारत को आर्थिक रूप से अस्थिर करने के षड्यंत्र में जुटे हुए हैं। भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने कहा कि हिंडनबर्ग की रिपोर्ट शनिवार को रिलीज होती है, रविवार को हल्ला मचता है ताकि सोमवार को पूरे कैपिटल मार्केट को अस्थिर कर दिया जाए। सुप्रीम कोर्ट के क्षेत्राधिकार में अपनी जांच पूरी करने के बाद सेबी ने हिंडनबर्ग के खिलाफ जुलाई में एक नोटिस दिया था।

सेबी प्रमुख ने आरोपों को सिरे से किया खारिज

सेबी प्रमुख बुच और उनके पति ने एक संयुक्त बयान जारी कर हिंडनबर्ग के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे पूरी तरह से बेबुनियाद बताया है। अडानी समूह ने हिंडनबर्ग रिसर्च के नवीनतम आरोपों को दुर्भावनापूर्ण और चुनिंदा सार्वजनिक सूचनाओं से छेड़छाड़ करने वाला बताते हुए कहा कि उसका बाजार नियामक सेबी की अध्यक्ष या उनके पति के साथ कोई वाणिज्यिक संबंध नहीं है।

चौकीदार चोर है, वो साबित हो गया : पवन खेड़ा

हिंडनबर्ग रिपोर्ट पर कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा, दूध का दूध पानी का पानी अपने आप हो गया। भारत सरकार ने कोई विशेष जांच की तरफ ध्यान नहीं दिया था। हिंडनबर्ग ने ही एक और रिपोर्ट निकाली जिसमें इनका सारे कारनामे सबके सामने आ गए। ऑफशोर कंपनी में उनके निवेश सामने आ गए, जब सबकुछ सामने है तो सवाल उठता है कि माधवी बुच को जब सेबी का प्रमुख बनाया था तब क्या भारत सरकार को ये जानकारी नहीं थी? अगर नहीं थी तो ये बहुत बड़ी विफलता है। राहुल गांधी ने कहा था चौकीदार चोर है, वो साबित हो गया।

एकबार फिर केजरीवाल सुप्रीम कोर्ट पहुंचे

» सीएम ने दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ डाली याचिका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली आबकारी नीति मामले में गिरफ्तार मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। सीएम केजरीवाल ने सीबीआई द्वारा उनकी गिरफ्तारी को रद्द करने से इनकार करने वाले दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की है। बता दें कि पिछले दिनों दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में जमानत दी है। सीबीआई ने 26 जून को केजरीवाल को गिरफ्तार किया था, जब वो ईडी द्वारा मनी लॉन्ड्रिंग मामले के सिलसिले में न्यायिक हिरासत में थे, बाद में उन्हें ईडी मामले में सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम जमानत दे दी थी, लेकिन सीबीआई मामले में उन्हें अभी तक जमानत नहीं मिली है, इसलिए वह जेल में ही हैं। मुख्यमंत्री केजरीवाल ने हाई कोर्ट में दो अलग-अलग याचिकाएं दायर की थीं, एक जमानत की मांग करते हुए और दूसरी सीबीआई द्वारा उनकी गिरफ्तारी को चुनौती देते हुए। दिल्ली हाई कोर्ट ने गिरफ्तारी को रद्द करने की याचिका खारिज कर दी।

दिल्ली हाईकोर्ट ने पूजा खेडकर की गिरफ्तारी पर लगाई रोक

दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोमवार को पूर्व प्रशिक्षु आईएएस अधिकारी पूजा खेडकर को 21 अगस्त तक गिरफ्तारी से राहत देते हुए दिल्ली पुलिस को अगली सुनवाई की तारीख तक उन्हें हिरासत में नहीं लेने का निर्देश दिया। खेडकर पर संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) को दिए गए अपने आवेदन में तथ्यों को गलत तरीके से पेश करने और फर्जीवाड़ा करने का आरोप है। न्यायमूर्ति सुब्रमणियम प्रसाद ने अग्रिम जमानत की मांग करने वाली पूजा खेडकर की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश जारी किया।

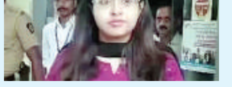

2023 बैच की आईएएस अधिकारी खेडकर पर अपना नाम, अपने पिता और माता के नाम, अपनी तस्वीर, हस्ताक्षर, ईमेल आईडी, मोबाइल नंबर और पता बदलने सहित अपनी पहचान फर्जी बनाकर स्वीकार्य सीमा से अधिक धोखाधड़ी का लाभ उठाने का आरोप लगाया गया था। यूपीएससी ने उनके खिलाफ पुलिस में मामला दर्ज कराया था, जिसके कारण 31 जुलाई को उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी गई थी।

यूजीसी-नेट परीक्षा को टालने की सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

» कोर्ट बोली- याचिका पर विचार करने से अराजकता पैदा हो जाएगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने यूजीसी-नेट परीक्षा रद्द करने के सरकार के फैसले के खिलाफ दायर एक नई याचिका को सोमवार को खारिज कर दिया। कथित प्रश्नपत्र लीक के बाद सरकार के कदम को चुनौती देते हुए कुछ परीक्षार्थियों ने याचिका दायर की थी। शीर्ष अदालत ने कहा कि इस स्तर पर इस (याचिका) पर विचार करने से अराजकता पैदा हो जाएगी। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा कि सरकार 21 अगस्त को नए सिरे से परीक्षा आयोजित कर रही है और छात्र, जो लगभग नौ लाख हैं, को अब किसी प्रकार की निश्चितता होनी चाहिए।

एक साइड से खोलें शंभू बॉर्डर : अदालत

शंभू बॉर्डर खोलने के मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई है। कोर्ट ने शंभू सीमा पर सड़कों को आंशिक रूप से फिर से खोलने के लिए पंजाब, हरियाणा के डीजीपी को आसपास के जिलों के एसपी के साथ एक सप्ताह में बैठक करने का निर्देश दिया है। शंभू बॉर्डर को खोलने संबंधी मामले में हरियाणा सरकार ने पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी हुई है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि एंबुलेंस, सीनियर सिटीजन्स, महिलाओं, छात्रों आदि के लिए हाइवे खोलने के आदेश दिया। अदालत ने कहा कि दोनों साइड से एक लेन खुलेगी।

देशवासियों की रक्षा करना हर देश का कर्तव्य: अखिलेश

» बोले- सकारात्मक मानवीय सोच के आधार पर हो मदद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सरकार का मूक-दर्शक बने रहना विदेश नीति की नाकामी

सपा नेता ने बिना किसी का नाम लिए लिखा- जो सरकार ऐसे में मूक-दर्शक बनी रहेगी, वो ये मानकर चले कि ये उसकी विदेश नीति की नाकामी है कि उसके सभी दिशाओं के निकटस्थ देशों में परिस्थितियाँ न तो सामान्य हैं और न उसके अनुकूल. इसका मतलब है कि 'भू-राजनीतिक' नज़रिये से उसकी विदेश नीति में कहीं कोई भारी चूक हुई है। सांस्कृतिक-निकटस्थता के सूत्र से एक बड़े भौगोलिक क्षेत्र को बांधकर आपसी समझबूझ और भाईचारे से ही विश्व के विभिन्न अशांत भू-खंडों में अमन-चैन लाया जा सकता है।

लखनऊ। सपा प्रमुख ने इशारे-इशारे में बीजेपी व मोदी सरकार को बांग्लादेश के बहाने ने घेरने की कोशिश की। अखिलेश ने लिखा- देश और देशवासियों की रक्षा करना हर देश का कर्तव्य होता है, सकारात्मक मानवीय सोच के आधार पर, एक व्यक्ति के रूप में हर निवासी-पड़ोसी की रक्षा करना भी हर सभ्य समाज का मानवीय-दायित्व होता है, फिर वह चाहे किसी काल-स्थान-परिस्थिति में कहीं पर भी हो। सोशल मीडिया साइट एक्स पर लंबी पोस्ट में अखिलेश ने बिना किसी देश का नाम लिखे जो बयान जारी किया है।

सपा प्रमुख अपनी पोस्ट में वैश्विक इतिहास का संदर्भ लेते हुए इशारों में बांग्लादेश की हालिया स्थिति पर टिप्पणी करते हुए भारत सरकार को भी नसीहत दी है। सपा चीफ ने लिखा- विश्व इतिहास गवाह है कि विभिन्न देशों में सत्ता के खिलाफ़, उस समय की कसौटी पर, सही-गलत कारणों से हिंसक जन क्रांतियाँ, सैन्य तख्तापलट, सत्ता-विरोधी आंदोलन विभिन्न कारणों से होते रहे हैं, ऐसे में उस देश का ही पुनरुत्थान हुआ है, जिसके समाज ने अपने सत्ता-शून्यता के उस उथल-पुथल भरे समय में भी अपने देशवासियों की जान-माल व मान की रक्षा करने में जन्म, धर्म, विचारधारा, संख्या की बहुलता-अल्पता या किसी अन्य राजनीतिक विद्वेष या नकारात्मक, संकीर्ण सोच के आधार पर भेदभाव न करके सकारात्मक-बड़ी सोच के साथ सबको एक-समान समझा और संरक्षित किया है। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने लिखा- विशेष रूप से रेखांकित करने की एक बात इतिहास ये भी सिखाता है कि किसी और देश के राजनीतिक हालातों का इस्तेमाल जो सत्ता अपने देश में अंदर, अपनी सियासी मंसूबों को पूरा करने के लिए करती है, वो देश को आंतरिक और बाह्य दोनों स्तर पर कमज़ोर करती है।

अखिलेश ने लिखा- कई बार किसी देश के आंतरिक मामलों से प्रभावित होने वाले, किसी अन्य देश द्वारा एकल स्तर पर हस्तक्षेप करना वैश्विक राजनयिक मानकों पर उचित नहीं माना जाता है, परंतु ऐसे में उस प्रभावित देश और उसके अपने सांस्कृतिक रूप से संबंधित व्यक्तियों की चतुर्दिक रक्षा के लिए, उस देश को अपनी मूक विदेश नीति को सक्रिय करते हुए, विश्व बिरादरी के साथ मिलकर साहसपूर्ण सकारात्मक मुखर पहल करनी चाहिए, जिससे सार्थक समाधान निकल सके।

बांग्लादेश में हिंदुओं के नरसंहार पर गंभीरता दिखाए केंद्र : माता प्रसाद

उत्तर प्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष माताप्रसाद पांडेय ने कहा कि वक्फ बोर्ड का मामला प्रवर समिति के पास लंबित है। इसमें जो भी निर्णय होगा उसे बाद में देखा जाएगा। यह मामला केंद्र सरकार से संबंधित है। बांग्लादेश में हो रही हिंसा पर उन्होंने दुःख प्रकट किया। कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं के नरसंहार की वह कड़ी निंदा करते हैं। मांग की कि इसमें केंद्र सरकार को गंभीरता दिखानी चाहिए। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष लखनऊ से चलकर अपने गृह जनपद सिद्धार्थनगर जा रहे थे। गोंडा में उनका कई स्थानों पर स्वागत किया गया। भूतपूर्व मंत्री विनोद कुमार उर्फ पंडित सिंह के आवास विकास कॉलोनी स्थित आवास पर उन्होंने पत्रकारों से वार्ता की।

इस तरह की अराजकता माफी योग्य नहीं : शशि थरूर

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने बांग्लादेश में मुर्तियों को तोड़ने की घटना पर चिंता जताई है और बांग्लादेश की अंतरिम सरकार से कानून और व्यवस्था बनाने की गुजारिश की है। शशि थरूर ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, साल 1971 में बनी मुजीबनगर में शहीद स्मारक परिसर में स्थित मूर्तियों को भारत विरोधी उपद्रवियों द्वारा नष्ट किए जाने की ऐसी तस्वीरें देखना दुखद है। यह घटना कई जगहों पर भारतीय सांस्कृतिक केंद्र, मंदिरों और हिंदू घरों पर हुए अपमानजनक हमलों के बाद हुई है, जबकि ऐसी खबरें भी आई हैं कि मुस्लिम नागरिक अन्य अल्पसंख्यक घरों और पूजा स्थलों की रक्षा कर रहे

आरक्षण के प्रावधानों में बदलाव के पक्ष में नहीं अखिलेश

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आरक्षण के भीतर आरक्षण के मुद्दे पर अपनी पार्टी की लाइन स्पष्ट कर दी है। उन्होंने जारी बयान कहा कि किसी भी प्रकार के आरक्षण का मूल उद्देश्य उपेक्षित समाज का सशक्तीकरण होना चाहिए, न कि उस समाज का विभाजन या विघटन। इससे आरक्षण के मूल सिद्धांत की ही अवहेलना होती है। उन्होंने कहा कि पीडीए के लिए संविधान संजीवनी है, तो आरक्षण प्राणवायु। अखिलेश का यह बयान आरक्षण के उप वर्गीकरण के मामले में सुप्रीम कोर्ट के हाल के फैसले को देखते हुए अहम माना जा रहा है। बसपा सुप्रीमो मायावती ने भी शनिवार को प्रेस कांफ्रेंस करके आरक्षण के भीतर आरक्षण (उप वर्गीकरण) का विरोध करते हुए इस मामले में सपा और कांग्रेस की नीयत भी साफ न होने की बात कही थी। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार हर बार अपने गोलमोल बयानों के माध्यम से आरक्षण की लड़ाई को कमजोर करने की कोशिश करती है। जब पीडीए के विभिन्न घटकों का दबाव पड़ता है, तो दिखावटी सहानुभूति दिखाकर पीछे हटने का नाटक करती है। अखिलेश ने कहा कि भाजपा की अंदरूनी सोच सदैव आरक्षण विरोधी रही है। आरक्षण के मुद्दे पर भाजपा की विश्वसनीयता शून्य हो चुकी है।

घाटी में 200 से 300 आतंकी कैसे आए जवाब दे केंद्र सरकार: फारूक

» बोले- कोई तो जिम्मेदार है जो दोहरा खेल कर रहा है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने केंद्र सरकार सवाल उठाते हुए कहा कि घाटी में 200-300 की संख्या में आतंकवादी कैसे आ गए? वे कहां से आए हैं? कोई तो जिम्मेदार है जो दोहरा खेल कर रहा है। कौन मर रहा है, हमारे कर्नल, मेजर और सैनिक।

यह सब कैसे हो रहा है? केंद्र सरकार को पूरे देश को जवाब देना चाहिए। यहां तक कि बांग्लादेश की सीमा भी अब छिद्रपूर्ण हो गई है। इससे पहले फारूक कई बार विवादित बयान दे चुके हैं। हाल ही में उन्होंने कहा था, जब तक भारत और पाकिस्तान के बीच बातचीत नहीं होगी, जम्मू कश्मीर में आतंकवाद की समस्या को खत्म नहीं किया जा सकता है। आगामी समय में प्रदेश में अमरनाथ यात्रा होने वाली है। साथ ही विधानसभा चुनाव भी होने वाले हैं। ऐसे में इन घटनाओं पर रोक लगनी चाहिए।

फारूक अब्दुल्ला ने आगे कहा था, कि हमारे पड़ोसी के साथ अभी भी समस्याएं हैं। सैन्य कार्रवाई से ये समस्याएं हल नहीं होंगी... जब तक हम अपने पड़ोसी (पाकिस्तान) से बात नहीं करेंगे, हम इसे हल नहीं कर सकते। आतंकवादी सीमाओं के रास्ते आ रहे हैं और वे आते रहेंगे। कल जो भी सरकार होगी, उसे यही सब झेलना पड़ेगा...हमें इन परिस्थितियों से बाहर निकलने की जरूरत है।

भाजपा लगातार ध्यान भटकाने का प्रयास कर रही: मायावती

बसपा प्रमुख बोलीं- जातिवाद और धार्मिक उन्माद पैदा करने का रचा जा रहा षड्यंत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा प्रमुख मायावती ने बीजेपी सरकार पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश व पूरे देश में बढ़ती गरीबी, बेरोजगारी, महंगाई व पिछड़ेपन आदि को रोक पाने में सरकार की विफलता के कारण लोगों में आक्रोश है और भाजपा लगातार इससे ध्यान भटकाने का प्रयास कर रही है। पूर्व सीएम ने कहा कि जनता के मुद्दों से ध्यान हटाने के लिए वे (भाजपा) विनाशकारी बुलडोजर राजनीति का सहारा ले रहे हैं और लगातार नए जातिवादी और धार्मिक उन्माद/विवाद पैदा करने का षड्यंत्र रच रहे हैं।

बसपा प्रमुख ने दावा किया,'इसी क्रम में धर्मांतरण पर नया कानून (लाया गया है), एससी-एसटी समाज के लोगों का उप-वर्गीकरण और 'क्रीमी लेयर' उन्हें विभाजित करने का नया प्रयास है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता का गरीब और मेहनतकश वर्ग स्वाभिमान के साथ जीने, सम्मान के साथ रोजी-रोजगार कमाने की कोशिश कर रहा है लेकिन सरकार इसपर पर्याप्त ध्यान नहीं दे रही है। बसपा प्रमुख ने कहा कि सरकार की नीयत और नीति पर जनता अब आंख बंद कर विश्वास नहीं करती है, लिहाज़ा बसपा को अपनी गरीब व सर्वजन हितकारी बहुजन हिताय, बहुजन सुखाय की नीति और सिद्धांत के जरिए जनता का विश्वास जीतने का प्रयास जारी रखना होगा, जिसका चुनावी लाभ भी जरूरी एवं स्वाभाविक है। इससे पहले रविवार को मायावती ने दावा किया कि आरक्षण की रक्षा करने का वादा करके लोकसभा सीटें जीतने वाली कांग्रेस एससी और एसटी के भीतर उप-वर्गीकरण के पक्ष में दिखती है और इन समुदायों में 'क्रीमी लेयर' को आरक्षण के लाभ से बाहर रखने के मुद्दे पर अब तक अपनी आवाज नहीं उठा रही है।

उपचुनाव की सभी सीटों पर उम्मीदवार उतारेगी बसपा

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने ऐलान किया कि निकट भविष्य में राज्य की 10 रिक्त विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनावों में उनकी पार्टी अपने उम्मीदवार उतारेगी और पूरे दमखम से चुनाव लड़ेगी। मायावती ने लखनऊ में प्रदेश कार्यालय में पार्टी की उत्तर प्रदेश इकाई के सभी वरिष्ठ पदाधिकारियों और जिलाध्यक्षों की एक समीक्षा बैठक में उपचुनाव लड़ने की घोषणा की। अमूमन उपचुनावों से दूर रहने वाली बसपा ने इस उपचुनाव को पूरे दमखम से लड़ने का फैसला किया है।

कैदी का निशान दिखाकर हेमंत सोरेन ने बीजेपी पर बोला हमला

» झारखंड सीएम ने वीडियो किया साझा- बोले यह लोकतंत्र की वर्तमान चुनौतियों का प्रतीक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा की। इस पोस्ट में हेमंत सोरेन अपने हाथ पर लगे कैदी निशान को साझा किया है और इस निशान को लोकतंत्र की मौजूदा चुनौतियों का प्रतीक बताया है। यह निशान हेमंत सोरेन के जेल से बाहर आने के बाद उनके हाथ पर जेल प्रशासन द्वारा लगाया गया था।

अपने पोस्ट में हेमंत सोरेन ने लिखा कि आज मेरे जन्मदिन के अवसर पर बीते एक साल की यादें मेरे दिल में मौजूद हैं और वो हैं यह कैदी का निशान, जो जेल से रिहा होते वक्त मुझे लगाया गया था। यह निशान केवल मेरा नहीं, बल्कि हमारे लोकतंत्र की वर्तमान चुनौतियों का प्रतीक है।

हेमंत सोरेन ने लिखा कि एक चुने हुए मुख्यमंत्री को बिना सबूतों, शिकायत के जेल में डाला गया। सोरेन ने आरोप लगाया कि जब मेरे साथ ऐसा हो सकता है तो आम आदिवासी, दलितों के साथ क्या हो सकता है, ये कहने की जरूरत नहीं है। आज अपने जन्मदिन के मौके पर बीते एक साल की स्मृति मेरे मन में अंकित है - वह है यह कैदी का निशान - जो जेल से रिहा होते वक्त मुझे लगाया गया। यह निशान केवल मेरा नहीं, बल्कि हमारे लोकतंत्र की वर्तमान चुनौतियों का प्रतीक है।

सियासी बिसात पर सबको देना है मात

उत्तर से लेकर दक्षिण तक राजनैतिक दल जोश में

- भाजपा पर हमलावर हैं क्षेत्रीय पार्टियां
- बिहार में राजद व बंगाल में टीएमसी ने संभाला मोर्चा
- महाराष्ट्र में शिवसेना यूबीटी व पंजाब में अकाली दल ने दिखाई ताकत
- बीजेपी-आरएसएस पर भी लग रहे आरोप
- अकाली दल में विभाजन एक दूसरे पर हमलावर हैं दोनों गुट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बिहार, पंजाब, महाराष्ट्र से लेकर राजस्थान तक नेताओं ने अपने-अपने सियासी बिसात बिछाना शुरू कर दिया है। पूर्वी भारत के बिहार में राजद ने अकेले ही बीजेपी जदयू को घेरने की जिम्मेदारी ली हुई है। बंगाल में टीएमसी पर भाजपा हमलावर हैं। तो महाराष्ट्र व राजस्थान में कांग्रेस व उद्धव गुट शिवसेना ने अकेले मोर्चा संभाला हुआ है। उधर दक्षिणी राज्य कर्नाटक में कांग्रेस सरकार पर भाजपा-जेडीएस ने नए-नए आरोपों के बम फोड़ने शुरू कर दिए है। हालांकि कुछ राज्यों में एक-दो साल में चुनाव होने हैं कुछ में अभी दूर-दूर तक चुनाव होने की संभावना नहीं है पर राजनीतिक दल एक-दूसरे पर हमले का कोई मौका नहीं छोड़ना चाहते हैं।

पंजाब में हाल ही में हुए लोकसभा चुनावों में करारी हार के बाद विभाजित हो चुके शिरोमणि अकाली दल (एसएडी) के लिए मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। इन सबके बीच पार्टी को एक अजीबोगरीब स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। दरअसल, अकाली दल के प्रतिद्वंद्वी गुटों के बीच भाजपा और उसके वैचारिक स्रोत आरएसएस केंद्र में है। दोनों गुट एक-दूसरे पर हमला करने के लिए भाजपा और उसके वैचारिक स्रोत आरएसएस का हवाला दे रहे हैं। पार्टी अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल के नेतृत्व वाले एसएडी और उसके विद्रोही समूह सुधार लहर ने एक-दूसरे पर पार्टी को कमजोर करने के लिए नागपुर (आरएसएस मुख्यालय) में साजिश रचने का आरोप लगाया है। इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के मुताबिक शिअद की अनुशासन समिति के अध्यक्ष बलविंदर सिंह भुंडर ने कहा, शिअद संरक्षक सुखदेव सिंह ढींडसा ने पार्टी को यह कदम उठाने (उन्हें निष्कासित करने) के लिए मजबूर किया है। हमने सभी असंतुष्ट नेताओं को उनकी समस्याओं पर चर्चा करने के लिए आमंत्रित किया था, लेकिन वे पार्टी को कमजोर करने और विभाजित करने के लिए नागपुर में रची गई साजिश का हिस्सा बन गए।

30 जून को, शिअद के ढींडसा के बेटे परमिंदर और शिरोमणि प्रबंधक गुरुद्वारा कमेटी (एसजीपीसी) की पूर्व प्रमुख बीबी जागीर कौर सहित आठ बागी नेताओं को निष्कासित कर दिया था ड्ड जो सुखबीर के इस्तीफे और शिअद नेतृत्व में बदलाव की मांग कर रहे थे। एक दिन बाद, ढींडसा को भी विद्रोहियों का समर्थन करने के लिए बाहर का रास्ता दिखा दिया गया। भुंदर ने आरोप लगाया कि अकाली दल के विद्रोही भाजपा और आरएसएस के हाथों में खेल रहे हैं क्योंकि ढींडसा के नेतृत्व वाली पूर्ववर्ती शिअद (संयुक्त) 2022 के विधानसभा चुनावों में भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन का हिस्सा थी। यह दावा करते हुए कि निष्कासित शिअद नेता सुरजीत सिंह रखड़ा और उनके भाइयों ने लोकसभा चुनावों से पहले गठबंधन के संबंध में भाजपा नेतृत्व के साथ पिछले दरवाजे से बैठक की थी, उन्होंने दावा किया, (शिअद के बागी) प्रेम सिंह चंदूमाजरा ने इस गठबंधन की वकालत की थी। इसके अलावा, (एक और पार्टी बागी) सिकंदर सिंह मलूका के बेटे और बहू भाजपा में हैं। हम अपनी पार्टी को कमजोर करने में भाजपा कनेक्शन को कैसे नजरअंदाज कर सकते हैं? दूसरी ओर, सुधार लहर गुट ने उपरोक्त आरोपों को खारिज कर दिया और अकाली दल से आरएसएस और भाजपा का हवाला देकर मुद्दे को भटकाने के बजाय आत्मनिरीक्षण करने का आग्रह किया। निष्कासित अकाली दल नेताओं में से एक चरणजीत सिंह बराड़ ने कहा कि अगर रखड़ा जी ने भाजपा नेतृत्व के साथ बैठक की थी, तो सुखबीर ने भी लोकसभा चुनावों से पहले भाजपा के साथ बैठकें की थीं। उन्होंने पूछा, इसमें बड़ी बात क्या है? उन्होंने कहा कि शिअद का भाजपा के साथ दो दशकों से अधिक समय तक गठबंधन था, जबकि हरसिमरत कौर और सुखबीर एनडीए मंत्रिमंडल का हिस्सा थे। यह आश्चर्यजनक है कि अकाली दल का दावा है कि सुधार लहर के नागपुर से कुछ संबंध हैं।

राजस्थान के स्पीकर देवनानी की इज्जत नहीं, सिर्फ कुर्सी का सम्मान तेवर नरम नहीं होंगे : मुकेश भाकर

राजस्थान विधानसभा सत्र के आखिरी के दो दिन चले घटनाक्रम के पहले दिन कांग्रेस विधायक मुकेश भाकर को निलंबित कर दिया गया। विरोध करने पर मार्शल को बुलाया गया और निलंबित विधायक को विधानसभा से बाहर निकालने की बात कही गई। कांग्रेस विधायकों और मार्शल के बीच में टकराव देखने को मिला। बता दें कि महिला विधायक की चूड़ियां टूटी और मार्शल का अंगूठा काटने की बात तक सामने आई। रात भर कांग्रेस के विधायकों द्वारा विधानसभा में धरना दिया गया। अगले दिन मुकेश भाकर को छह महीने के लिए विधानसभा से निलंबित कर दिया गया। विधानसभा से छह महीने के लिए निलंबन के बाद मुकेश भाकर से जानने का प्रयास किया कि उस दिन क्या हुआ था और सच्चाई क्या है? मैंने कोई अभद्र इशारा किया था, उनके पास क्या प्रूफ है। वह सबूत दें मुझे, अगर मैंने उनकी तरफ गलत इशारा किया है या मैंने आसन को चुनौती दी है। हम लोग विधानसभा में जाकर बैठे हैं और अगर हमारी जनता का और प्रदेश का मुद्दा है तो उन पर बात नहीं रखेंगे तो कहां बात रखेंगे। बीजेपी वहां घिर गई है। सदन में उनके पास जवाब नहीं है। यह पूरी तरीके से फेल हो चुके हैं विधानसभा में उनके बचाव की जिम्मेदारी स्पीकर ने ले रखी है। वो उनके संरक्षक बने हुए हैं। पूरी तरीके से विधानसभा अध्यक्ष ज्यादा वो उनके संरक्षक नजर आते हैं। उनका पूरा दबाव हमेशा विपक्ष पर रहता है। उनके लिए पक्ष-विपक्ष बराबर होना चाहिए। सदन चले उसको लेकर उनको काम करना चाहिए, लेकिन वह तो अपनी खीज को मिटाने के लिए बैठे हैं। जब नेता प्रतिपक्ष बोल रहे थे तो बीजेपी के नेता बोल रहे थे। हमने पहले भी देखा था कि जब राजेंद्र राठौर या नेता प्रतिपक्ष गुलाब चंद्र कटारिया बोलते थे, तब हम सब उनको सुनते थे। जब मुख्यमंत्री बोलते हैं, सब सुनते हैं। जब नेता प्रतिपक्ष बोल रहे थे उनके विधायक खड़े होकर बोल रहे थे तो मैंने कहा कि जब आपका नेता बोलेगा तो हम भी बोलेंगे। अध्यक्ष नाराज हो गए, हमने कहा कि आप बीजेपी के विधायकों को भी बैठाओ। इस पर अध्यक्ष बोले कि मैं तुझे सदन में पैर नहीं रखने दूंगा।मैंने सिर्फ इतना बोला कि मुझे जनता ने चुनकर भेजा है, आप कैसे रोक सकते हो?

तेजस्वी ने एनडीए सरकार से पूछा- नौकरी और आरक्षण क्यों नहीं दिया

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने एक बार फिर से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा नीतीश सरकार से सवाल पूछा है कि मुख्यमंत्री और सरकार ने सालों में इतनी नौकरियां क्यों नहीं दी? जातिगत गणना क्यों नहीं कराई? आरक्षण का दायरा क्यों नहीं बढ़ाया? तेजस्वी यादव ने कहा कि हमने 17 महीनों के अल्प कार्यकाल में देश में प्रथम बार बिहार में जातिगत आधारित गणना तथा उसके आँकड़े प्रकाशित कराने के साथ-साथ जातिगत गणना के अनुसार आरक्षण का दायरा बढ़ाकर 75 प्रतिशत किया। भाजपा और एनडीए के लोगों ने दलितों/पिछड़ों और आदिवासियों के लिए आरक्षित 65 प्रतिशत आरक्षण सीमा को रुकवा दिया। एनडीए की केंद्र और राज्य सरकार आरक्षण विरोधी है इसलिए बिहार में हमारी सरकार द्वारा दिए गए 65 प्रतिशत संविधान की अनुसूची में शामिल नहीं कर रही है। तेजस्वी यादव ने कहा कि आपके समर्थन, सहयोग और आशीर्वाद के साथ हम सब मिलकर बिहारवासियों की उन्नति, प्रगति और उत्थान के लिए सदैव संघर्षरत रहेंगे। सभी वर्गों को सामाजिक के साथ-साथ आर्थिक न्याय मिलें, उनका आर्थिक उत्थान हो इसके लिए हम निरंतर प्रयासरत रहते हैं। यही वजह है कि अपने 17 महीने के कार्यकाल में हमने अपनी इच्छाशक्ति के बल पर पांच लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी दी। तीन लाख से अधिक नौकरियां प्रक्रियाधीन करायी। अन्यथा इन्हीं मुख्यमंत्री और एनडीए सरकार ने 17 सालों में इतनी नौकरियां क्यों नहीं दी? जातिगत गणना क्यों नहीं कराई? आरक्षण का दायरा क्यों नहीं बढ़ाया? आपके समर्थन, सहयोग और आशीर्वाद के साथ हम सब मिलकर बिहारवासियों की उन्नति, प्रगति और उत्थान के लिए सदैव संघर्षरत रहेंगे। इन पदों पर होने वाले बहाली में बिहार सरकार द्वारा अधिसूचित नयी आरक्षण कोटे का लाभ अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ी, अति पिछड़ी एवं सामान्य वर्ग के गरीब लोगों को नहीं मिल पायेगा। ज्ञातव्य है कि तत्कालीन उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के पहल पर कराए गए जातीय गणना से प्राप्त आंकड़े के बाद अनुसूचित जाति के लिए आरक्षण की सीमा 16 से बढ़ाकर 20 प्रतिशत, अनुसूचित जनजाति के लिए एक से बढ़ाकर 2 प्रतिशत,अत्यंत पिछड़ी जाति के लिए 18 से बढ़ाकर 25 प्रतिशत , अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए 15 प्रतिशत से बढ़ाकर 18 प्रतिशत एवं सामान्य वर्ग के गरीब वर्ग के लिए 10 प्रतिशत कर दी गई है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

गर्व करने वाला है भारतीय न्यायतंत्र!

> अपने यहां मुख्य न्यायाधीश भी अपनी कमियों को उजागर करने में पीछे नहीं हटता और न्याय प्रक्रिया में सुधार के लिए सुझाव देता रहता है ताकि आम आदमी को सस्ती व सुचारू न्याय मिल सके। कुल मिलाकर पूरे भारत के लोग अपने यहां के न्याय तंत्र पर गर्व कर सकते हैं। यहां पर न्याय जरूर मिलता है भले ही कुछ समय लग जाए।

भारत के पड़ोसी देश में सत्ता परिवर्तन हो गया है। सेना की सर परस्ती में नइ अंतरिम सरकार बन गई है। अब वहां सुप्रीम कोर्ट के जजो को हटाने के लिए उसका घेराव आंदोलनकारी कर रह हैं। ये हालात बयां करते है पड़ोसी देशों की अपेक्ष अपने यहां की न्यायपालिका बहुत अनुशासित व न्याप्रिय हैं। अपने यहां मुख्य न्यायाधीश भी अपनी कमियों को उजागर करने में पीछे नहीं हटता और न्याय प्रक्रिया में सुधार के लिए सुझाव देता रहता है ताकि आम आदमी को सस्ती व सुचारू न्याय मिल सके। कुल मिलाकर पूरे भारत के लोग अपने यहां के न्याय तंत्र पर गर्व कर सकते हैं। यहां पर न्याय जरूर मिलता है भले ही कुछ समय लग जाए। उधर भारत के मुख न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड न्याय-प्रक्रिया की कमियों एवं मुद्दों पर चर्चा करते रहे हैं तो उनमें सुधार के लिये जागरूक दिखाई दिये हैं। निश्चित ही उनसे न्यायपालिका में छाये अंधेरे सायों में सुधार रूपी उम्मीद की किरणें दिखाई देती रही है।

50वें प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) डी.वाई. चंद्रचूड़ की न्याय प्रणाली विसंगतियों एवं विषमताओं से जुड़ी इस स्वीकारोक्ति ने हर संवेदनशील भारतीय के मन को छुआ कि अदालतों में लंबे समय से लंबित मामलों से तंग आकर लोग बस समझौता करना चाहते हैं। 'न्याय में देरी न्याय के सिद्धांत से विमुखता है' वाली इस बात को सभी महसूस करते हैं लेकिन न्यायिक व्यवस्था के शीर्ष पर आसीन मुख्य न्यायाधीश की स्वीकारोक्ति के गहरे निहितार्थ हैं। 'न्याय प्राप्त करना और इसे समय से प्राप्त करना किसी भी राज्य व्यवस्था के व्यक्ति का नैसर्गिक अधिकार होता है। प्रधान न्यायाधीश के रूप में उन्होंने देश की न्यायपालिका के आमूल-चूल स्वरूप में परिवर्तन पर खुलकर जो विचार रखे हैं वे साहसिक एवं दूरगामी सोच से जुड़े होने के साथ आम लोगों की धारणा से मेल खाते हैं। नया भारत बनाने एवं सशक्त भारत बनाने के लिये न्यायिक प्रक्रिया में सुधार सर्वोच्च प्राथमिकता होनी भी चाहिए। निश्चित ही भारत दुनिया में सबसे बड़ी आबादी वाला देश है। लेकिन इतनी बड़ी आबादी के अनुपात में पर्याप्त न्यायाधीशों व न्यायालयों की उपलब्धता नहीं है। निश्चित रूप से न्याय का मतलब न्याय मिलने जैसा होना चाहिए। न्याय समाज में महसूस भी होना चाहिए। न्याय त्वरित गति से होता हुआ भी दिखना चाहिए। देश में न्याय की प्रक्रि या सहज व सरल तथा आम आदमी की पहुंच वाली होनी चाहिए। उत्कृष्ट लोकतान्त्रिक देशों की तरह भारत की एक अत्यंत शक्तिशाली व स्वतंत्र न्यायपालिका है। न्यायपालिका केवल न्याय देने का ही काम नहीं करें, बल्कि सरकार की कमियों पर नजर रखना एवं उसे चेताना भी उसका दायित्व है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

व्यापक बने राष्ट्रीय सुरक्षा सिद्धांतों का दायरा

डॉ. केपी सिंह

सरकार से अपेक्षा की जाती है कि वह देश में राजनीतिक संतुलन बनाए रखने, आर्थिक हितों की रक्षा करने, क्षेत्रीय अखंडता की सुरक्षा सुनिश्चित करने, सैन्य शक्ति का प्रदर्शन करने और घरेलू सुरक्षा वातावरण को सुधारने के लिए दृढ़ संकल्प प्रदर्शित करे। इसके साथ ही, सरकार को प्राकृतिक आपदाओं और मानव निर्मित संकटों से नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न उपाय अपनाने चाहिए। सक्षम राष्ट्रीय सुरक्षा सिद्धांतों (एनएसडी) का उद्देश्य देश और नागरिकों की सुरक्षा को सुनिश्चित करना है।

केसी पंत की अध्यक्षता वाली 'टास्क फोर्स' की सिफारिश पर, राष्ट्रीय सुरक्षा पर एक शीर्ष सलाहकार निकाय के रूप में 1998 में 'राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद' (एनएससी) का गठन किया गया था, जिसकी अध्यक्षता प्रधानमंत्री करते थे। जिसमें वित्त, रक्षा, गृह और विदेश मंत्री शामिल थे। हालांकि, एनएससी ने आज तक एनएसडी का लिखित दस्तावेजीकरण नहीं किया है, जिससे हितधारक अपना अधिदेश प्राप्त कर सकें और सामरिक महत्व की रणनीति तैयार कर सकें। एनएसडी अभी तक मुख्य रूप से राष्ट्रीय सुरक्षा योजनाओं तक ही सीमित रही है जिसमें अंतर्राष्ट्रीय सम्बन्धों और सैन्य रणनीतियों तथा कूटनीति पर अधिक ध्यान केन्द्रित रहा है। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष श्याम सरन द्वारा 2015 में तैयार राष्ट्रीय सुरक्षा नीति के मसौदे में दीर्घकालिक योजना और निर्णय लेने के लिए पांच प्रमुख क्षेत्रों, जिनमें घरेलू सुरक्षा, बाहरी सुरक्षा, सैन्य तैयारी, आर्थिक सुरक्षा और पारिस्थितिक सुरक्षा शामिल है, की पहचान की गई थी। यह तथ्य है कि कूटनीतिक मामलों और आर्थिक तथा पर्यावरण से जुड़े सुरक्षा के मुद्दों पर एक व्यापक राष्ट्रीय सहमति बन गई है, लेकिन घरेलू सुरक्षा की चिंताएं राजनीतिक बयानबाजी और चुनावी राजनीति के एजेंडे से ऊपर नहीं उठ पाई हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि संवेदनशील रक्षा मामलों पर मतभेद आजकल राजनीतिक और सार्वजनिक विमर्श में खुले तौर पर उभरकर सामने आ रहे हैं।

प्रतिस्पर्धी सामाजिक और राजनीतिक विचारधाराओं में समन्वय के आधार पर अंतर्राष्ट्रीय कूटनीति, सैन्य-रुख और भू-राजनीतिक हितों के बीच संतुलन स्थापित करना एक सार्थक एनएसडी तैयार करने की कुंजी है। रूढ़िवादी मानसिकता वाले सुरक्षा विशेषज्ञ प्रायः

तर्क देते हैं कि भारत जैसे बहुदलीय लोकतंत्र में सुरक्षा मामलों पर आम सहमति पर पहुंचना आसान नहीं होगा और न ही सार्वजनिक रूप से एनएसडी की बारीकियों पर चर्चा करना वांछनीय होगा। शायद यही कारण है कि नीति-निर्माता एक व्यापक एनएसडी नहीं बना पाए हैं और यह बन्द कमरे का मामला बनकर रह गया, जिस पर सत्ताधारी दल की विचारधारा का एकाधिकार होता है।

भारत में एनएसडी पर चर्चा में आंतरिक सुरक्षा के मुद्दों पर उतना ध्यान नहीं दिया जाता जितना दिया जाना चाहिए। भूमि और समुद्री मार्गों से आने वाले अवैध प्रवासी भारत में शांति और स्थिरता के लिए एक बड़ा खतरा हैं। सुरक्षा बलों द्वारा प्रभावी अवरोधन के बिना रोहिंग्या और बांग्लादेशी अवैध प्रवासी बड़ी संख्या में तलहटी और निचले हिमालयी क्षेत्रों में बस गए हैं। इन क्षेत्रों की जनसांख्यिकी कुछ दशकों में ही बहुत बदल गई है, जिससे घरेलू शांति और सामाजिक संतुलन के लिए गम्भीर खतरे पैदा हो गए हैं। चिंता की बात यह है कि इन अवैध प्रवासियों का कोई व्यवस्थित जायजा नहीं लिया जाता है और सुरक्षा एजेंसियों को उनकी संख्या और बसने के स्थानों के बारे में भी ज्ञान नहीं है। भारत फ्रांस और इंग्लैंड जैसे यूरोपीय देशों से आने वाले शुरुआती चेतावनी संकेतों को नजरअंदाज नहीं कर सकता है, वहां जनसंख्या नियंत्रण नीति के अभाव में उनकी जनसांख्यिकी में जिस प्रकार का बदलाव आ रहा है, उसमें मूल निवासी अपनी ही मातृभूमि में जातीय और सांस्कृतिक अल्पसंख्यक बनने की पीड़ा झेल रहे हैं। जनसांख्यिकीय मोर्चे पर असहजता और लाचारी के ऐसे संकेत भारत के कुछ हिस्सों में पहले से ही दिखाई दे रहे हैं। एक सुविचारित जनसंख्या नियंत्रण-नीति को अपनाकर जनसांख्यिकीय और सामाजिक-सांस्कृतिक यथास्थिति को बनाए रखना एनएसडी के समग्र परिप्रेक्ष्य में प्रासंगिक हो गया है। पूरे देश में विशेषकर, उत्तर-पूर्व और उत्तरी और पश्चिमी भारत के सीमावर्ती राज्यों में, नशीली दवाओं का दुरुपयोग बड़े पैमाने पर हो रहा है। उचित और पर्याप्त नीतिगत हस्तक्षेप की कमी के कारण नशीली दवाओं की लत में फंसे बेरोजगार युवाओं ने पहले ही बहुप्रचारित 'जनसांख्यिकीय लाभांश' को बेअसर कर दिया है। कट्टरपंथी और अलगाववादी तत्व, जो धर्म की स्वतंत्रता की आड़ में वित्तीय प्रलोभन के आधार पर धर्मांतरण और धर्म की गलत व्याख्या करके लोगों को गुमराह कर रहे हैं, सख्त प्रतिबंधों के पात्र हैं।

पर्यावरणविदों के सुझावों की अनदेखी से उपजा संकट

जयसिंह रावत

वर्ष 2013 की केदारनाथ आपदा के 11 साल बाद 31 जुलाई की रात एक बार फिर केदार घाटी में जलप्रलय जैसा माहौल पैदा हो गया। केदार धाम से लेकर नीचे घाटी में फंसे 15 हजार से अधिक तीर्थयात्रियों को सेना, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, डीडीआरएफ और वाईएमएफ सहित थल और वायुसेना के साझा बचाव अभियान के तहत सुरक्षित निकाला जा सका। तीन यात्रियों के शव भी मलबे में बरामद हुए। केदारनाथ क्षेत्र की विशिष्ट भौगोलिक और भूगर्भीय स्थिति ऐसी है कि वहां भूस्खलन, भूकम्प और बादल फटने जैसी प्राकृतिक घटनाओं के साथ चलने की कला सीखनी ही होगी। अगर हमने प्रकृति के प्रतिकूल जिद नहीं छोड़ी तो भगवान केदारनाथ के कोप का बार-बार भाजना बनना ही होगा।

इसरो ने 2023 में देश के भूस्खलन संवेदनशील 147 जिलों का जोखिम मानचित्र तैयार किया था। इसमें सबसे ऊपर रुद्रप्रयाग जिले को रखा था, जहां 31 जुलाई को आई आपदा के कारण इन दिनों हजारों तीर्थयात्रियों की जानें संकट में फंसी रही। दूसरे नम्बर पर उत्तराखंड का ही टिहरी जिला अत्यंत जोखिम की श्रेणी में रखा गया था। वहां भी गत 26 एवं 27 जुलाई की रात को भूस्खलन से तिनगढ़ गांव तबाह हो गया। इसरो के जोखिम मानचित्र पर पश्चिमी घाट पर्वत श्रेणी से लगे केरल के वायनाड सहित सारे 14 जिले शामिल किये गये थे। वर्ष 2013 की आपदा के बाद, शासन स्तर पर केदारनाथ में डॉप्लर राडार लगाने की बात कही गई थी, जिससे मौसम का सटीक पूर्वानुमान मिल सके और इस तरह की मुश्किलों से निपटने के लिए पहले से इंतजाम किए जा सकें। लेकिन एक दशक से अधिक समय बीत जाने के बाद भी केदारनाथ क्षेत्र में अर्ली वार्निंग सिस्टम स्थापित नहीं हो सका। विशेषज्ञों का कहना है कि केदारनाथ में डॉप्लर राडार स्थापित होता तो बीते 31 जुलाई को पैदल मार्ग पर बादल फटने के बाद उपजे हालात से निपटने के लिए शासन, प्रशासन को इतनी मशक्कत नहीं करनी पड़ती।

भारतीय भूगर्भ सर्वेक्षण विभाग, उत्तराखंड अंतरिक्ष उपयोग केन्द्र तथा गढ़वाल विश्वविद्यालय के भूवैज्ञानिकों ने केदार घाटी, जो कि सबसे संवेदनशील मुख्य केन्द्रीय भ्रंश (एमसीटी) के दायरे में आती है, तथा केदारनाथ धाम, जो स्वयं एक मलबे पर स्थित है, वहां भारी निर्माण की सख्त मनाही कर रखी है। वहां फिर भी सौंदर्यीकरण और सुरक्षा के नाम पर बहुत भारी निर्माण कर दिया गया। यही नहीं, सन 2013 में चोराबाड़ी ग्लेशियर पर बादल फटने और ग्लेशियर झील के टूटने के कारणों की अनदेखी की गयी। दरअसल, योजनाकार ही नहीं बल्कि आपदा प्रबंधक भी जलतंत्र की अनदेखी करने की भूल कर रहे हैं। हिमालय पर ऊपर चढ़ते समय बादल स्थाई हिमाच्छादित क्षेत्र में बारिश की जगह बर्फ बरसाते हैं। लेकिन 2013 में ऐसा नहीं हुआ जो कि जलवायु परिवर्तन का स्पष्ट संकेत था। केदार घाटी बहुत तंग है और उसके अंत में 3,583 मीटर ऊंचा केदार पर्वत या केदार डोम है। जिसे अलकनन्दा घाटी की ओर से चले बादल पार नहीं कर पाते हैं, इसलिए वहीं बरस जाते हैं। तंग घाटी होने के कारण बादलों का वेग अधिक होता है जिससे पहाड़ से टकराकर बादल फटने जैसी स्थितियां पैदा हो जाती हैं। इसीलिये इस घाटी में निरन्तर बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं होती रहती हैं।

एक स्वैच्छिक संगठन की याचिका पर सुप्रीमकोर्ट ने 2018 में केदारनाथ की बेहद सीमित धारण क्षमता को अनुभव करते हुए वहां प्रतिदिन 5000 से कम यात्रियों के जाने की सीमा तय की थी। लेकिन सरकार पर यात्रियों से ज्यादा हितधारकों और राजनीतिक दबावों के चलते इस साल सीमा को बढ़ाकर बदरीनाथ के लिये प्रतिदिन 20 हजार, केदारनाथ 18 हजार, गंगोत्री 11 हजार और यमुनोत्री के लिये 9 हजार यात्री कर दिया गया। इससे भी दबाव कम नहीं हुआ तो सरकार ने जून में सारी सीमाएं हटा दीं। गौर करने वाली बात यह है कि पहले बदरीनाथ जाने वाले यात्रियों की संख्या केदारनाथ से बहुत अधिक रहती थी। बदरीनाथ के लिये सीधे वाहनों से जाया जाता है जबकि केदारनाथ के लिये लगभग 21 किमी की कठिन पैदल यात्रा भी है। लेकिन अब केदारनाथ में बदरीनाथ से अधिक भीड़ जा रही है। उत्तराखंड राज्य गठन से पूर्व पूरे सीजन में केदारनाथ के यात्रियों की संख्या औसतन 1 लाख तक और बदरीनाथ जाने वालों की संख्या 9 लाख तक होती थी। पिछले साल केदारनाथ में 19,61,277 तक तीर्थयात्री पहुंच चुके थे।

यात्रियों का यह सैलाब है जो कि केदारनाथ की धारण क्षमता से अत्यधिक होने से आपदा का एक कारण बन रहा है। यही नहीं, बहुत संवेदनशील पारिस्थितिकी तंत्र वाले इन धामों में वाहनों की बाढ़ लगातार बढ़ती जा रही है। अति संवेदनशील गोमुख में भी इस साल अब तक 6,309 यात्री पहुंच गये जिनमें ज्यादातर कांवड़िये ही थे। प्रकृति के साथ अगर ऐसा ही खिलवाड़ होता रहेगा तो मानवीय संकट को टाला नहीं जा सकेगा। बेशक आबादी की जरूरतों को पूरा करने के लिए विकास की अत्यन्त आवश्यकता है, लेकिन इसका मतलब यह कतई नहीं कि हम प्रकृति के साथ इतनी छेड़छाड़ कर दें कि अपने ही नागरिकों को जान के लाले पड़ जायें। इन आपदाओं के लिए हर बार वैज्ञानिकों और पर्यावरणविदों के सुझावों और चेतावनियों की अनदेखी को जिम्मेदार माना जा सकता है।

मैदे की नहीं अब घर पर तैयार करें आलू की जलेबी

जब भी बात भारतीय मिठाइयों की आएगी तो जलेबी का नाम सबसे ऊपर आएगा। जलेबी एक ऐसी मिठाई है, जिसे लोग सुबह के नाश्ते में खाना ज्यादा पसंद करते हैं। खासतौर पर अगर बात करें उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और बिहार की तो इन प्रदेशों में तो आपको हर मिठाई की दुकान पर जलेबी बनती दिख जाएगी। बाजार में मिलने वाली मैदे की कुरकुरी जलेबी खाने में काफी स्वादिष्ट लगती है। अगर आप मैदा की जलेबी खाकर बोर हो गए हैं तो घर पर आसान तरीके से आलू की जलेबी ट्राई करें। सुनने में अजीब लगा न, लेकिन ये हकीकत है। आप आलू की मदद से भी जलेबी तैयार कर सकते हैं। ये खाने में काफी स्वादिष्ट लगती है। इसे खाने के बाद आप मैदे से बनी जलेबी तो भूल ही जाएंगे।

सामान

तीन से चार मध्यम आकार के आलू, दही एक कप, अरारोट एक कप, चीनी एक कप, केसर के तीन से चार रेशे, इलायची चार से पांच, देसी घी।

विधि

इस जलेबी को बनाने के लिए आपको सबसे पहले चाशनी तैयार करके रखनी है। चाशनी बनाने के लिए एक कप चीनी और एक कप पानी को मिक्स करके पकाएं। जब ये पक जाए तो इसमें पिसी इलायची डालकर साइड में रख दें। इसके बाद अब जलेबी बनाने की प्रक्रिया शुरू करें। जलेबी बनाने के लिए सबसे पहले आलूओं को उबाल कर छीलकर अच्छी तरह से मैश कर लें। अब मैश किए हुए आलुओं में दही और अरारोट डालकर इसका पेस्ट बनाएं। ध्यान रखें कि इसका बेस्ट साधारण जलेबी के जितना ही गाढ़ा होना चाहिए। अगर ये ज्यादा पतला रहेगा तो आप जलेबी नहीं बना पाएंगे। जब घोल बन के तैयार हो जाए तो इसमें केसर के रेशे डालें, ताकि जलेबी का रंग अच्छा हो जाए। जब बेटर सही से तैयार हो जाए, तो एक कड़ाही में घी गर्म करें और जलेबी बनाना शुरू करें। जब ये अच्छी तरह से सिक जाएं तो इसे निकालकर तुरंत चाशनी में डाल दें। कुछ देर के बाद इसे चाशनी से निकालकर गर्मागर्म ही परोसें। इसका लाजवाब स्वाद हर किसी को पसंद आएगा।

बिना तले बनाएं स्वादिष्ट ब्रेड पकौड़ा

तेज चिलचिलाती गर्मी के बीच अब लगातार हो रही बारिश ने लोगों को काफी राहत पहुंचाई है। ऐसे में बारिश का मौसम आते ही लोगों ने घऊमने-फिरने का प्लान बनाना शुरू कर दिया है। इसके साथ-साथ बहुत से लोग बारिश का लुत्फ घर पर ही रहकर उठाते हैं। अगर आप भी घर पर रहकर बारिश के मजे ले रहे हैं, तब तो कुछ चटपटा सा खाने का मन अवश्य करता होगा। पर, आप चाह के भी हर रोज तला-भुना नहीं खा सकते। अब जब आप अपनी हेल्थ का भी ध्यान रखना चाहते हैं लेकिन कुछ चटपटा भी खाना चाहते हैं तो आप बिना तले ब्रेड पकौड़ा भी तैयार कर सकते हैं। सुनकर अजीब लगा न, पर ये सच है। आप बिना तले भी स्वादिष्ट ब्रेड पकौड़ा तैयार कर सकते हैं।

सामान

ब्रेड स्लाइस, उबले हुए आलू, बेसन- 1 कप, बारीक कटी हरी मिर्च, बारीक कटा हरा धनिया, थोड़ा सा तेल, मसाले, धनिया पाउडर- 1 छोटा चम्मच, जीरा पाउडर- 1/2 छोटा चम्मच, लाल मिर्च पाउडर- 1/2 छोटा चम्मच, हल्दी पाउडर- 1/4 छोटा चम्मच, नमक- स्वादानुसार, बेकिंग सोडा- 1/4 छोटा चम्मच।

विधि

ब्रेड पकौड़ा बनाने के लिए आपको सबसे पहले इसकी स्टफिंग तैयार करनी है। स्टफिंग बनाने के लिए उबले हुए आलुओं को छील कर अच्छी तरह से मैश करें। अब एक कढ़ाई लेकर उसमें थोड़ा सा तेल डालें और फिर बारीक कटी हरी मिर्च, हल्दी और जीरा डालकर भूनें। जीरा सुनहरा होने पर इसमें आलू डालें। इन आलुओं में अब धनिया पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, और नमक मिलाएं। जब ये सही से पक जाए तो इसमें कटी हुई धनिया की पत्तियां डालें। अब इसे ठंडा होने के लिए साइड में रख दें। जब तक ये ठंडा हो रहा है तब तक बेसन का घोल तैयार करें। इसके लिए एक बाउल में बेसन, नमक, हल्दी पाउडर और बेकिंग सोडा मिलाएं। इसमें धीरे-धीरे पानी डालते हुए गाढ़ा घोल तैयार करें। सबसे आखिर में ब्रेड स्लाइस को तिरछे काटकर दो हिस्सों में बांट लें। हर ब्रेड के टुकड़े पर आलू का मिश्रण फैलाएं और दूसरी ब्रेड का टुकड़ा ऊपर रख दें। अब इन तैयार ब्रेड सैंडविच को बेसन के घोल में डुबोएं और तुरंत निकाल लें। ध्यान रखें कि बेसन का बेटर ज्यादा गाढ़ा न हो। अब एक गर्म तवे पर हल्का सा तेल डालें और उस पर ये बेसन में डूबा ब्रेड सैंडविच रख। अब इसे हर तरफ से सुनहरा होने तक सेकें। कुरकुरा होने के बाद इसे चाय और खट्टी-मीठी चटनी के साथ परोसें।

हंसना मना है

एक मकान मालिक नए किरायेदार को मकान दिखा रहा था। मकान मालिक बोला- इसका किराया 700 रुपए होगा। किरायेदार -ठीक है, लेकिन आपके मकान में तो चूहे नाच रहे हैं! मकान मालिक- तो 700 रुपए में क्या शीला का नाच देखना चाहते हो?

ग्राहक- तुम्हारी भैंस की एक आंख खराब है, फिर भी तुम इसके 25000 मांग रहे हो। आदमी- तुम्हें भैंस दूध के लिए चाहिए या नैन मटक्का के लिए चाहिए?

जज- क्या सबूत है कि जब एक्सीडेंट हुआ, तब तुम कार तेज नहीं चला रहे थे? कार चालक- साहब, मैं अपनी पत्नी को लेने ससुराल जा रहा था। जज- ओह, छोड़ दो इस मासूम को, ऐसे समय कोई भी गाड़ी तेज नहीं चला सकता।

एक महिला एक साधु के पास गई और बोली-महाराज! आपने प्रवचन में कहा था, अहंकार ही सबसे बड़ा पाप है। पर जब मैं आईना देखती हूं, तो सोचती हूं मैं कितनी सुंदर हूं तो मुझे बहुत अहंकार हो जाता है, मैं क्या करूं? साधु महाराज ने कहा- बेटी यह अहंकार नहीं है, ये एक गलतफहमी है और गलतफहमी कोई पाप नहीं।

कहानी: स्वयं के धर्म की चिंता

एक आदमी तालाब के किनारे बैठ कर कुछ सोच रहा था। तभी उसने एक पानी में किसी के डूबने की आवाज सुनी और उसने तालाब की तरफ देखा तो उसे एक बिच्छू तालाब में डूबता दिखाई दिया। अचानक ही वह आदमी उठा और तालाब में कूद गया। उस बिच्छु को बचाने के लिए उसने उसे पकड़ लिया और तालाब के बाहर लाने लगा। इससे घबराकर बिच्छू ने उस आदमी को डंक मारा। आदमी का हाथ खून से भर गया वो जोर-जोर से चिल्लाने लगा, उसका हाथ खुल गया और बिच्छू फिर पानी में गिर गया। आदमी फिर उसके पीछे गया। उसने बिच्छु को पकड़ा। लेकिन बिच्छू ने फिर से उसे काट लिया। यह बार-बार होता रहा। यह पूरी घटना दूर बैठा एक आदमी देख रहा था। वो उस आदमी के पास आया और बोला - अरे भाई ! वह बिच्छू तुम्हें बार-बार काट रहा है। तुम उसे बचाना चाहते हो, वो तुम्हे ही डंक मार रहा है। तुम उसे जाने क्यूं नहीं देते? मर रहा है अपनी मौत, तुम क्यूं अपना खून बहा रहे हो? तब उस आदमी ने उत्तर दिया - भाई ! डंक मारना तो बिच्छू की प्रकृति है। वह वही कर रहा है लेकिन मैं एक मनुष्य हूं, और मेरा धर्म है दूसरों की सेवा करना और मुसीबत में उनका साथ देना। अत: बिच्छू अपना धर्म निभा रहा हैं और मैं अपना।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — आज लाभ में वृद्धि होगी। व्यापार अच्छा रहेगा। नौकरी में चैन रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। किसी वरिष्ठ व्यक्ति का सहयोग प्राप्त होगा। बेचैनी रहेगी। चोट व रोग से बचें।

वृषभ — कोर्ट व कचहरी में लाभ की स्थिति बनेगी। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। पिछले लंबे समय से रुके कार्य बनेंगे। प्रसन्नता रहेगी। दूसरों से अपेक्षा न करें।

मिथुन — भूमि-भवन संबंधित कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। निवेश शुभ रहेगा। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। व्यापार अच्छा चलेगा।

कर्क — रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। शत्रु परास्त होंगे। व्यापार ठीक चलेगा। निवेश में जल्दबाजी न करें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

सिंह — आय बनी रहेगी। बेवजह दौड़धूप रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कोई शोक समाचार मिल सकता है। अपेक्षित कार्यों में बाधा उत्पन्न हो सकती है।

कन्या — आज सामाजिक कार्य करने का मन बनेगा। मेहनत का फल मिलेगा। मान-सम्मान मिलेगा। निवेश शुभ रहेगा। व्यापार में वृद्धि होगी। भाग्य का साथ मिलेगा।

तुला — पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। ऐश्वर्य के साधनों पर व्यय होगा। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। प्रमाद न करें।

वृश्चिक — नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। रोजगार प्राप्ति होगी। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। यात्रा लाभदायक रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

धनु — कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। यात्रा में कोई चीज भूलें नहीं। फालतू खर्च होगा। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। लापरवाही न करें।

मकर — डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। यात्रा लाभदायक रहेगी। किसी बड़ी समस्या से सामना हो सकता है। व्यापार में वृद्धि के योग हैं। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा।

कुम्भ — आय में वृद्धि होगी। सुख के साधनों पर व्यय होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। योजना फलीभूत होगी। किसी बड़ी समस्या का हल एकाएक हो सकता है।

मीन — रुके कार्यों में गति आएगी। तंत्र-मंत्र में रुचि बढ़ेगी। कानूनी सहयोग मिलेगा। लाभ में वृद्धि होगी। सत्संग का लाभ मिलेगा। शेयर मार्केट से लाभ होगा।

बांग्लादेश के मौजूदा हालातों पर आग बबूला हुईं कंगना रनौत

बांग्लादेश में हालात तनाव कम होने का नाम नहीं ले रहा है। शेख हसीना के देश छोड़ने के बाद भी रोज हिंसा की खबरें सामने आ रही हैं। बांग्लादेश के बिगड़े हालातों के बीच एक्ट्रेस और मंडी से सांसद कंगना रनौत ने एक पोस्ट एक्स पर शेयर किया है, जिसके बाद वह फिर से चर्चाओं में आ गई हैं। उन्होंने अपनी पोस्ट में भारत के लोगों को खास संदेश देते हुए ये बात कह डाली की शांति फ्री में नहीं मिलती है।

कंगना रनौत बॉलीवुड में पंगा गर्ल के नाम से फेमस हैं, जो अक्सर अपनी बातों को खुलकर सबके सामने रखती हैं। पड़ोसी मुल्क बांग्लादेश में जिस तरह के हालात बने हुए उन हालातों को देखते हुए उन्होंने एक पोस्ट शेयर किया और लोगों को महाभारत या रामायण का उदाहरण देते हुए तलवार उठाने की सलाह दी है। उन्होंने क्या कहा, चलिए आपको बताते हैं।

एक्ट्रेस ने आगे लिखा, 'दूसरों के हथियारों के प्रति आपका समर्पण, लड़ने में आपकी अक्षमता का परिणाम नहीं होना चाहिए। विश्वास में समर्पण करना प्रेम है लेकिन डर में समर्पण करना कायरता है। इजराइल की तरह अब हम भी चरमपंथियों से भरे हैं। हमें अपने लोग और अपनी जमीन को बचाने के लिए तैयार रहना चाहिए।'

कंगना ने पोस्ट में क्या लिखा

कंगना ने लिखा, 'शांति हवा में नहीं या सूरज की किरणों में नहीं हैं जिसे आप सोचते हैं कि आपका जन्म अधिकार है और आपको मुफ्त में मिलेगी। महाभारत हो या रामायण दुनिया के इतिहास में सबसे बड़ी लड़ाई शांति के लिए ही लड़ी गई है। 'तलवार उठाओ और तैयारी करो। अपनी तलवार उठाओ और उन्हें तेज करो, हर दिन तैयारी करो। अगर ज्यादा नहीं तो हर दिन सेल्फ डिफेंस करो।'

वर्कफ्रंट की बात करें तो कंगना रनौत जल्द ही फिल्म 'इमरजेंसी' में नजर आएंगी। एक्ट्रेस ने साल 2021 में फिल्म की घोषणा की थी लेकिन बाद में साफ किया कि भले ही यह एक राजनीतिक ड्रामा है, लेकिन यह इंदिरा गांधी की बायोपिक नहीं है। एक्ट्रेस न सिर्फ फिल्म में मुख्य भूमिका निभा रही हैं बल्कि इसका निर्देशन भी कर रही हैं। फिल्म में कंगना के अलावा अनुपम खेर, मिलिंद सोमन, महिमा चौधरी और श्रेयस तलपड़े भी हैं। कंगना ने कहा था, 'इमरजेंसी मेरी सबसे महत्वाकांक्षी परियोजना है और मणिकर्णिका के बाद दूसरी निर्देशित फिल्म है, हमारे पास इस बड़े बजट, भव्य पीरियड ड्रामा के लिए सर्वश्रेष्ठ भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभाएं एक साथ आई हैं।'

बॉलीवुड | मन की बात

मैं ज्यादा से ज्यादा फिल्में बनाकर युवाओं की प्रतिभाओं को निखारना चाहता हूं : आमिर

आमिर खान को किसी परिचय की जरूरत नहीं है। वह बीते कई दशकों से दर्शकों का लगातार मनोरंजन करते आ रहे हैं। उन्हें उनके बेहतरीन और बहुमुखी अभिनय क्षमता की वजह से काफी पसंद किया जाता है। वह आखिरी बार पर्दे पर साल 2022 में फिल्म लाल सिंह चड्ढा में नजर आए थे। इस साल की शुरुआत में रिलीज हुई फिल्म लापता लेडीज का उन्होंने अपनी पत्नी किरण राव के साथ मिलकर निर्माण किया था। अब अभिनेता ने फिल्मों में काम करने को लेकर अपने भविष्य की प्लानिंग साझा की हैं। बीते शुक्रवार को आमिर खान और किरण राव अपनी फिल्म लापता लेडीज की सुप्रीम कोर्ट में स्क्रीनिंग के दौरान शामिल हुए थे। इस फिल्म में स्पर्श श्रीवास्तव, नितांशी गोयल, प्रतिभा रांटा जैसी नए और प्रतिभाशाली कलाकार नजर आए थे। इस बीच एएनआई द्वारा एक्स पर साझा किए गए एक वीडियो में आमिर अपने भविष्य को लेकर बातें करते हुए नजर आए। उन्होंने कहा कि वह 70 साल की उम्र तक सक्रिय रूप से काम करना चाहते हैं। इसके साथ-साथ वह नई और युवा प्रतिभाओं को बढ़ावा देना भी जारी रखेंगे। उन्होंने कहा कि कोविड के दौरान उनके पास अपने करियर को लेकर सोचने के लिए पर्याप्त समय था। उस समय को याद करते हुए उन्होंने कहा कि उनका करियर अब अंतिम चरण में पहुंच रहा है। उन्होंने तीन साल पहले कही अपनी बातों का जिक्र करते हुए कहा, मैंने कहा था मेरे पास और 15 साल हैं, 70 साल तक मैं सक्रिय रूप से काम करूंगा, उसके बाद जिंदगी किसने देखी है, इसलिए मैं अब ज्यादा से ज्यादा फिल्में बनाना चाहता हूं। अभिनेता ने इस दौरान कहा कि वह सभी फिल्मों में काम नहीं कर पाएंगे, इसलिए वह युवा कलाकारों को नए मौके देना चाहते हैं और उनके लिए एक मंच बनना चाहते हैं। अभिनेता ने उम्मीद जताई कि वह एक साल में अपनी एक फिल्म रिलीज करने की रणनीति का पालन करने में सक्षम होंगे। उन्हें अपने करियर में, जो प्यार और सीख मिली है वो दर्शकों को वापस देना चाहते हैं, इसलिए वह ज्यादा से ज्यादा फिल्में बनाना चाहते हैं। इसके अलावा वह अपने प्रोडक्शन वेंचर्स के माध्यम से युवा प्रतिभाओं को भी आगे बढ़ाना चाहते हैं।

पान मसाला को एंडोर्स करने वाले लोगों को मौत बेच रहे : जॉन अब्राहम

बॉलीवुड | गपशप

जॉन अब्राहम डिसिप्लिन्ड हेल्थ और शानदार फिटनेस के लिए जाने जाते हैं। वह अपनी हेल्दी लाइफ स्टाइल से देश के युवाओं को प्रेरित करते रहते हैं। हाल ही में जॉन अब्राहम ने पान मसाला को एंडोर्स करने वाले सितारों पर अपनी भड़ास निकाली ह। उनका कहना है कि जो पान मसाला को एंडोर्स करते हैं, वो लोगों को मौत बेच रहे हैं। हालांकि, उन्होंने किसी भी एक्टर का नाम नहीं लिया।

रणवीर अल्लाहबादिया के पॉडकास्ट पर बात करते हुए जॉन अब्राहम ने कहा, 'मैं जो बोलता हूं और रियल लाइफ में मैं वो ही करता हूं, तो फिर मैं एक रोल मॉडल हूं। अगर मैं बोलता कुछ हूं और करता कुछ और ही हूं, तो कोई न कोई तो देखेगा मुझे। एक तरफ लोग फिटनेस की बात करते हैं और दूसरी तरफ, पान मसाला बेचते हैं। मैं अपने एक्टर फ्रेंड्स से प्यार करता हूं और किसी की निंदा नहीं कर रहा हूं। मैं खुद के बारे में बात कर रहा हूं।' जॉन अब्राहम ने आगे कहा, 'मैं कभी मौत नहीं बेचूंगा। क्या आपको पता है कि पान मसाला इंडस्ट्री का सालाना टर्नओवर कितना है? चलिए मैं आपको बताता हूं। पान मसाला इंडस्ट्री का सालाना टर्नओवर 45000 करोड़ है। मतलब सरकार भी इस चीज को सपोर्ट करती है, इसलिए ये गैर-कानूनी नहीं है। इसके लिए बहुत सारा पैसा मिलता है। ये आपकी चॉइस है। मैंने फैसला किया कि मैं ये (पान मसाला को एंडोर्स) नहीं करूंगा। आप इसका कुछ भी कारण निकाल सकते हैं। आप क्या बेच रहे हैं? आप तो मौत बेच रहे हैं। मैं ऑन रिकॉर्ड कह रहा हूं कि मैं किसी एक्टर की बुराई नहीं कर रहा हूं। मैं खुद के बारे में कह रहा हूं।' मालूम हो कि शाहरुख खान से लेकर अजय देवगन, अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ पान मसाला के विज्ञापनों में नजर आ चुके हैं, जिसके लिए उनकी खूब आलोचना हुई थी। अक्षय कुमार ने कुछ समय पहले ऐलान किया कि अब वह पान मसाला को एंडोर्स नहीं करेंगे।

अजब चोर की गजब दास्तां...चोर को बचाने के लिए ग्रामीणों ने की मदद

बुरहानपुर। मध्य प्रदेश अजब है तो यहां के चोर भी गजब हैं। बुरहानपुर जिले के उमरदा में चोर चोरी करने के लिए रात के अंधेरे में खेतों में तो पहुंच गए। उन्होंने चोरी करना शुरू कर दिया। तीन खेतों से केबल भी चोरी कर लिया। लेकिन जब चौथे खेत में चोरी करने के लिए गए तो अचानक ही मोटरसाइकिल का लाइट आंखों पर आया तो चोर भागने लगे। इस भगदड़ में एक चोर 120 फीट गहरे कुएं में गिर गया। फिर क्या था सभी उसको निकालने का प्रयास कर रहे थे। लेकिन सुबह हो गई कुआं गहरा होने के कारण उसको निकालने में असफल रहे। उसके तीन साथी तो मौके से भाग गए, लेकिन एक कुएं के पास बैठा हुआ था। जब खेत मालिक अपने खेत की मोटर को शुरू करने लगा तो केबल कटा हुआ था तो खेत में खड़े इस दूसरे व्यक्ति से पूछा तो उसने कहा कि मेरा एक साथी कुएं में गिरा हुआ है। जब उससे पूछताछ की तो वह गुमराह करने लगा, लेकिन उसने सच बता दिया कि हम केबल चुराने के लिए आए थे। हमारा एक साथी कुएं में गिर गया है। रात भर से हम प्रयास कर रहे हैं, लेकिन अभी तक नहीं निकल पाया है। खेत मालिक ने इसकी सूचना ग्रामीणों को दी। ग्रामीणों ने शिकारपुरा थाना पुलिस को बुलाया। पुलिस ने एसडीआरएफ और होमगार्ड के जवान और मौजूद लोगों के माध्यम से रेस्क्यू कर करीब 15 घंटे के बाद चोर को कुएं से बाहर निकाला। फिर उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती करवाया। खेत मालिक भास्कर दयाराम ने बताया कि मेरे खेत से यह केबल चोरी करने आए थे। लेकिन एक कुएं में गिर गया तो उन्होंने केबल नहीं चुराई बाकी पड़ोस के तीन खेतों से केबल चोरी कर ली थी। यह पूरे पांच चोर थे। तीन चोर मौके से भाग गए। एक कुएं के पास बैठा हुआ था और एक कुएं में था। पुलिस ने एक को पकड़ लिया है। थाना प्रभारी ने बताया कि केबल चोरी की किसानों ने शिकायत की है। एक चोर कुएं में गिर गया था। जिसको रेस्क्यू कर बाहर निकाला है। अभी वह अस्पताल में है।

अजब-गजब | शहर में बाहरी मवेशी न घुसें इसलिए किया गया अजीब काम

यहां जानवरों के लिए बनाई गई पुलिस चौकी

आज तक आपने कई बार सड़क के किनारे पुलिस चौकियां देखी होंगी। लोगों की सुविधा, उनकी चेकिंग और कई अन्य वजहों से इन चौकियों का निर्माण किया जाता है, लेकिन क्या आपने कभी जानवरों के लिए बनाई चौकियां देखी है? आपको लग रहा होगा कि हम मजाक कर रहे हैं। लेकिन ऐसा नहीं है। राजस्थान के कोटा में एक ऐसी जगह है, जहां कई चौकियां है, जो जानवरों के लिए बनाई गई है। अब आप सोच रहे होंगे कि इन चौकियों से जानवरों का क्या लेना-देना?

कोटा में कई चौकियां बनाई गई हैं, जिसके जरिये जानवरों पर नजर रखी जाती है। इन चौकियों पर हर समय पुलिस भी तैनात रहती है। इन चौकियों का निर्माण खास वजह से किया गया है। दरअसल, इनके पीछे नगर निगम कोटा का हाथ है। शहर में बाहर से मवेशी ना घुस आएं, इसकी वजह से इन चौकियों का निर्माण करवाया गया है। इन चौकियों पर पुलिस के अलावा कॉन्ट्रैक्ट पर रखे गए श्रमिक भी तैनात रहते हैं। आए दिन मवेशियों के इलाके में घुस जाने की वजह से इनका निर्माण करवाया गया है।

इस मामले पर नगर निगम कोटा उत्तर के आयुक्त अनुराग भार्गव ने अधिक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि निगम के क्षेत्राधिकार से सटे गांवों से कई मवेशी शहरी इलाकों में घुस आते हैं। इसकी वजह से एक्सीडेंट के मामले बढ़ रहे थे। इन मवेशियों को शहरी क्षेत्र में नहीं घुसने देने के लिए ही चौकियों का निर्माण किया गया है। इस समय शहर में केशवराय पाटन रोड, बल्लोभ रोड, धाकड़खेड़ी व बांरा रोड पर चौकी बनाई गई है।

ऐसा नहीं है कि निगम ने सिर्फ चौकी बना कर पल्ला झाड़ लिया है। इन चौकियों में चौबीस घंटे कोई ना कोई मौजूद रहता है। ना सिर्फ पुलिस बल्कि कई श्रमिक भी कॉन्ट्रैक्ट पर हायर किये गए हैं जो इन चौकियों में मौजूद रहते हैं। आयुक्त ने बताया कि जिनके भी मवेशी शहरी इलाकों में घुसते पाए जाएंगे, उनपर सख्त कार्यवाई की जाएगी। चेकिंग के लिए हर समय चौकी में लोग मौजूद रहते हैं। ये ग्रामीण इलाकों से आने वाले गाय-भैंस के अलावा बकरियों पर भी नजर रखते हैं।

महाराष्ट्र से नफरत करने वालों को सबक सिखाएगी जनता : उद्धव

» बोले- विस चुनाव से पहले लोकलुभावन योजनाओं की रिश्वत दे रही शिंदे सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर दिल्ली के सामने झुकने का आरोप लगाया और कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव उन लोगों के खिलाफ लड़ाई है जो राज्य से नफरत करते हैं। शिंदे के गढ़ ठाणे शहर में पार्टी कार्यकर्ताओं की एक सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने राज्य सरकार पर अक्टूबर में होने वाले चुनावों से महीनों पहले अपनी प्रमुख योजना 'मुख्यमंत्री लाडकी बहिन योजना' की घोषणा करके मतदाताओं को रिश्वत देने का आरोप लगाया।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं को इस योजना का लाभ उठाना चाहिए क्योंकि यह उनका अपना पैसा है, लेकिन उन्हें आत्मसम्मान से समझौता नहीं करना चाहिए। ठाकरे ने कहा, वे दिल्ली के सामने झुक रहे हैं। उन्होंने कहा कि शिवसेना के संस्थापक बाल ठाकरे का संघर्ष दिल्ली के सामने झुकने से इनकार करने के लिए था। ठाकरे ने कहा, राज्य विधानसभा की लड़ाई उन लोगों के साथ होगी जो महाराष्ट्र से नफरत करते हैं। इससे पहले जब ठाकरे गडकरी रंगायतन सभागार में पार्टी के कार्यकर्ताओं की एक बैठक के लिए पहुंचे तो महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया और उनके काफिले पर टमाटर और गोबर फेंका। कार्यक्रम में अपने संबोधन के दौरान इस घटना का कोई उल्लेख न करते हुए उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी के कार्यकर्ता उनके 'वाघ-नख' हैं और वह अब्दाली से नहीं डरते। हाल ही में उद्धव ठाकरे ने भाजपा नेता अमित शाह को अहमद शाह अब्दाली करार दिया था। वहीं मुंबई में वक्फ (संशोधन) विधेयक को लेकर शनिवार को शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे के बांद्रा स्थित आवास के बाहर विरोध प्रदर्शन कर रहे मुस्लिम समुदाय के कम से कम 10 सदस्यों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया।

उद्धव के काफिले पर हमला नाराजगी का परिणाम : राज ठाकरे

मनसे के प्रमुख राज ठाकरे ने उद्धव ठाकरे के काफिले पर पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए हमले को कार्यकर्ताओं की नाराजगी का परिणाम करार दिया। राज ठाकरे ने कहा कि कुछ लोगों ने उनके काफिले पर सुपारियां फेंकी थीं, जिसकी शिवसेना (यूबीटी) ने निंदा नहीं की, जिससे हताश मनसे कार्यकर्ताओं ने उद्धव के काफिले को निशाना बनाया। दरअसल एक दिन पहले ही बीड जिले में कुछ लोगों ने राज ठाकरे के काफिले पर सुपारियां फेंकी थीं। अधिकारियों ने हमला करने के संबंध में मनसे के 40 कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया है। राज ठाकरे ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि बीड में शिवसेना-यूबीटी के जिला प्रमुख द्वारा घटना की निंदा नहीं किये जाने के कारण मनसे कार्यकर्ताओं ने अपनी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा, ठाणे में मनसे कार्यकर्ताओं की यह हरकत बीड जिले में शिवसेना-यूबीटी जिला प्रमुख द्वारा घटना की निंदा नहीं किए जाने के कारण हताशा से प्रेरित थी। शिवसेना-यूबीटी द्वारा प्रतिक्रिया न देना मनसे कार्यकर्ताओं को नागवार गुजरा, जिस कारण उन्होंने ऐसा किया। राज ठाकरे ने अपने कार्यकर्ताओं से फिलहाल पीछे हटने की अपील की। हालांकि, उन्होंने चेतावनी दी कि विधानसभा चुनावों के बाद उन लोगों के व्यवहार पर ध्यान दिया जाएगा, जिन्होंने अपना तरीका बदलने से इनकार कर दिया है।

जीके शर्मा यूपी चतुर्थ श्रेणी राज्य कर्मचारी महासंघ के महामंत्री नियुक्त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भदोही। उत्तर प्रदेश चतुर्थ श्रेणी राज्य कर्मचारी महासंघ लखनऊ द्वारा तहसील ज्ञानपुर भदोही सभागार में महासंघ की द्विवार्षिक अधिवेशन मुन्नू लाल रावत के अध्यक्षता में संपन्न हुआ। संचालन द्वारिका प्रसाद मोदनवाल ने किया। समारोह के मुख्य अतिथि नरेंद्र प्रताप सिंह, त्रिवेणी प्रसाद, कमल अग्रवाल रहे।

प्रदेश अध्यक्ष अशोक कुमार सिंह की अध्यक्षता में राज्य कर्मचारियों की बैठक संपन्न हुई और पुरानी कार्यकारिणी को भंग करते हुए चुनाव अधिकारी नरेंद्र प्रताप सिंह राष्ट्रीय अध्यक्ष को नामित किया गया, निर्वाचन अधिकारी ने संपूर्ण उत्तर प्रदेश के कर्मचारियों से नामांकन पत्र मांगा जिसमें कुल 14 लोगों ने भिन्न-भिन्न पदों पर अपना आवेदन दाखिल किया, जिसे निर्वाचन अधिकारी ने सभी को निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया। प्रदेश महामंत्री जी के शर्मा, संरक्षक त्रिवेणी प्रसाद, सलाहकार मुन्नू लाल रावत, सह सलाहकार चंद्रमा प्रकाश पांडे, प्रदेश अध्यक्ष अशोक कुमार सिंहआदि पदाधिकारीयों के नामों की घोषणा की गई। उत्तर प्रदेश से आए हुए सभागार में उपस्थित कर्मचारियों द्वारा गर्म जोशी के साथ फूल और माला से भव्य स्वागत अभिनंदन किया गया।

रोटरी क्लब लखनऊ ने अपना 87वां स्थापना दिवस मनाया

» नए लोगों ने ली शपथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भूतपूर्व अध्यक्ष/कार्यक्रम संयोजक, अशोक कुमार भार्गव ने बताया कि रोटरी क्लब ऑफ लखनऊ देश का सबसे पुराने क्लबों में से एक है। जो कि वर्ष 1938 में स्थापित हुआ था। रोटरी क्लब लखनऊ ने अपना 87वां स्थापना दिवस / शपथ ग्रहण समारोह संकल्प के नाम से मना रहा है। प्रदेश के प्रिन्सपल सेक्रेटरी सोशल वेलफेयर डिपार्टमेन्ट डा. हरिओम, मुख्य अतिथि रहे। वर्ष 2023-24 के अध्यक्ष रो संगीता मित्तल ने वर्ष 2024-25 के निवर्तमान अध्यक्ष रो. विनोद चॉदवानी को रोटरी का एम्बलेम्ब पहनाया।

इस वर्ष अध्यक्ष वर्ष 2024-25 रोटेरियन विनोद चाँद रमानी एवं सचिव, रो. भारती गुप्ता उपाध्यक्ष, रो. शिव बालक, अध्यक्ष नामिनी रो. परवीन कमार मित्तल कोषाध्यक्ष रो. विभोर

अग्रवाल अध्यक्ष इलेक्ट रो.परवीन कुमार मित्तल कोषाध्यक्ष रो. विभोर अग्रवाल, अध्यक्ष इलेक्ट रो. गणेश अग्रवाल, चीफ लर्निंग फैसिलेटर रो. सुमेर अग्रवाल, सार्जेन्टआम रो. पंकज कपूर, डायरेक्टर भूतपूर्व अध्यक्ष रो. अशोक कुमार भार्गव, रो.मीरा गोयल, रो. मीरा सुभाष,रो.सीपी भारतीया, रो.एमएम अग्रवाल, रो. अंजना अग्रवाल, रो. अंसुल मोदी,रो. कंचन आनन्द, रो. अनिल कुमार सिंघल, रो.पंकज कपूर, रो. गिरधर गोपाल यादव आदि को शपथ दिलायी गयी।

मांगे नहीं मानीं गईं तो आशा कार्यकत्री करेंगी आंदोलन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आशा एवं आशा संगिनी की कार्य एवं प्रोत्साहन राशि की समस्या को लेकर लखनऊ प्रेस क्लब मे एकं प्रेस वार्ता की गयी। इसकी अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष चन्दा यादव, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष संगीता गिरी, राष्ट्रीय संरक्षक राजेश शर्मा प्रदेश अध्यक्ष मनीषा यादव के नेतृत्व में हुआ। सरकार एवं स्वास्थ्य विभाग की कार्य का सारी योजना का कार्य हो चुका लेकिन हम आशा / आशा संगिनी के मानदेय / वेतन की समस्या का समाधान के लिए सरकार द्वारा कोई पहल नहीं की गयी।

सरकार हमारी मांगों पर अगर तत्काल विचार नहीं करेगी तो हम सड़क पर उतरकर आन्दोलन के लिए बाध्य होंगे। इस समस्या को लेकर स्वास्थ्य विभाग को एवं सरकार को कई बार ज्ञापन दिया गया, धरना प्रदर्शन के माध्यम से अपनी बात रखी गयी लेकिन आजतक इस पर कोई पहल नहीं हुई। इसलिए हम लोग आज समस्त उत्तर प्रदेश की आशा

आल इंडिया आशा बहू कार्यकत्री कल्याण सेवा समिति ने की बैठक

बहनें दु:ख प्रकट कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि 2005 में समस्त आशाओं का चयन हुआ 2006 से हम अपने कार्य को करते रहे। गर्भवती महिलाओं को अस्पताल तक पहुंचाना। बच्चों एवं गर्भवती मां का टीकाकरण कराना। सुरक्षित प्रसव कराना। जन्म, मृत्यु में अन्तर लाना केवल इन्हीं कार्यों की जिम्मेदारी हमें दी गयी थी। इसके बाद जितनी योजनाएं आयीं वह सारे कार्य कई वर्षों से आशा बहनों से काराया जा रहा है। उसके एवज में कोई मानदेय / वेतन एवं प्रोत्साहन राशि नहीं दी जा रही है। जैसे गोल्डन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, आभा आईडी, दस्तक संचारी रोग एवं कई योजना में आशा कार्य कर रही है। पल्स पोलियो अभियान जिसमें मात्र 75 रूपये दिया जाता है। आज मंहगाई चरम सीमा पर है तो इतने कम पैसे में कौन अपना परिवार चला पायेगा हमारा शोषण किया जा रहा है। इस अवसर मनीषा यादव मण्डल अध्यक्ष, रामश्री गगवार जिलाध्यक्ष, पप्पी तिवारी महासचिव, उर्मिला सिह प्रदेश कोषाध्यक्ष, हीरामती, गीता देवी, मनीषा देवी, रीता देवी, निलेश पाण्डेय, संगीता देवी, अनीता देवी, किरन सिंह, हीरामनी आदि उपस्थित रहीं।

आप में फिर जोश भरेंगे सिसोदिया

» 14 अगस्त से करेंगे पदयात्रा, विधायकों-पार्षदों संग होगीं बैठक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले आप पार्टी संगठन को मजबूत करने के लिए जुट गई है। इसी कड़ी में 14 अगस्त से पूर्व उपमुख्यमंत्री और आप के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया जनता के बीच जाएंगे। इस मौके पर वह पार्टी के पक्ष में माहौल बनाएंगे। रविवार को दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर मनीष सिसोदिया की अध्यक्षता में आतिशी के आवास पर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की बैठक हुई।

करीब दो घंटे चली इस बैठक में कई विषयों पर चर्चा हुई। इसमें दिल्ली में चल रहे काम, लोक सभा चुनाव से पहले पार्टी के तरफ से किए गए वादे, मौजूदा दी जा रही सुविधाएं सहित अन्य विषयों पर चर्चा हुई। साथ ही फैसला लिया गया कि दिल्ली में किए गए काम को जनता तक पहुंचाया जाएगा। बैठक के बाद पार्टी के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री संदीप पाठक ने कहा कि बैठक में दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर विस्तार से बातचीत हुई। फैसला लिया गया कि मनीष सिसोदिया सोमवार को दिल्ली में आम आदमी पार्टी के सभी विधायकों के साथ बैठक करेंगे। अगले दिन मंगलवार को पार्टी के सभी पार्षदों के साथ मनीष सिसोदिया बैठक करेंगे। दिल्ली के अलग-अलग इलाके में हुई घटनाओं में मौत पर दिल्ली सरकार ने एलजी पर निशाना साधा है। बैठक के बाद मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली के उपराज्यपाल को आरोपी अधिकारियों पर कार्रवाई करना चाहिए। मुख्यमंत्री आवास से जुड़े मामले में उन्होंने तुरंत कार्रवाई की। जबकि आशा किरण मामले में अभी तक एक भी कर्मचारी पर कोई बड़ी कार्रवाई नहीं हुई है।

पार्टी ने एलजी पर साधा निशाना

भाजपा की साजिश विफल

दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार के काम को रोकने का प्रयास किया गया। पार्टी को तोड़ने का प्रयास किया गया लेकिन भाजपा इसमें विफल हुई। पार्टी के पक्ष में बनी विपरीत परिस्थिति के बाद भी आप मजबूत हो रही है। अन्य नेताओं ने कहा कि मनीष सिसोदिया के बाहर आने के बाद पार्टी में एक नया जोश आया है। पार्टी पूरी मजबूती के साथ दिल्ली में चुनाव के लिए प्रचार करेगी। संदीप पाठक ने कहा कि मनीष सिसोदिया को पार्टी या सरकार में पद देने का फैसला मुख्यमंत्री व पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल करेंगे। जल्द ही इस मुद्दा मुख्यमंत्री के समक्ष रखा जाएगा।

फोटोः सुमित कुमार

पूर्वाभ्यास मण्डलायुक्त रोशन जैकब और जिलाधिकारी संतोष गंगवार की देखरेख में स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर झंडारोहण और परेड का पूर्वाभ्यास किया गया। इसके अलावा नवयुग कॉलेज की एनसीसी छात्राओं ने अपने कॉलेज परिषद के बाहर तिरंगा यात्रा निकाली।

कोलकाता रेप-मर्डर मामले में देशभर में भारी उबाल

- मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर और छात्र सड़क पर उतरकर कर रहे प्रदर्शन
- तीन जूनियर डॉक्टर समेत चार को पुलिस ने बुलाया
- आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के प्रिंसिपल का इस्तीफा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में ट्रेनी महिला डॉक्टर की दुष्कर्म के बाद हत्या के मामले में विवाद गहराता जा रहा है। मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर और छात्र सड़क पर उतरकर लगातार विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। इस पूरे मामले की मजिस्ट्रेट जांच की मांग को लेकर जूनियर डॉक्टर्स, प्रशिक्षु और स्नातकोत्तर प्रशिक्षुओं ने लगातार चौथे दिन भी हड़ताल जारी रखी। इससे राज्य भर में अस्पताल सेवाएं सोमवार को बाधित रहीं। उधर, लखनऊ के मेडिकल कालेज में छात्रों के प्रदर्शन से स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई।

वहीं दूसरी ओर, जिस आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में भयावह घटना घटी थी, वहां के प्रिंसिपल ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उधर फेडरेशन ऑफ रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन (एफओआरडीए) ने राष्ट्रव्यापी हड़ताल बुलाई है। राजधानी के लोक नायक जयप्रकाश (एलएनजेपी) अस्पताल में भी डॉक्टर्स हड़ताल पर चले गए हैं। सिर्फ आपातकालीन सेवाएं जारी हैं। प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव अपूर्वा चंद्रा से मुलाकात की है। इस मुलाकात के बाद एफओआरडीए के महासचिव डॉ सर्वेश पांड ने कहा, हमने स्वास्थ्य सचिव से मुलाकात की, हमने कल एक प्रेस रिलीज जारी की, जिसमें हमारी मांगों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा हम तब तक अपनी हड़ताल जारी रखेंगे जब तक हमें लिखित आश्वासन नहीं मिल जाता कि हमारी मांगें पूरी कर दी जाएंगी। हड़ताल के दौरान, वैकल्पिक सर्जरी में बाधा आएगी और केवल आपातकालीन सेवाएं ही जारी रहेंगी, देशभर के करीब 3 लाख डॉक्टर इस विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए हैं।

पीड़िता मेरी बेटी की तरह : प्रिंसिपल

आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के प्रिंसिपल संदीप घोष ने इस्तीफे के बाद मीडिया से बात करते हुए कहा, मेरी सोशल मीडिया पर बदनामी की जा रही है। पीड़िता मेरी बेटी की तरह थी। एक अभिभावक के तौर पर मैंने इस्तीफा दे दिया। मैं चाहता हूं कि ऐसा कभी भी भविष्य में दोबारा नहीं हो। उन्होंने कहा, मुझे सोशल मीडिया पर बदनाम किया जा रहा है। मेरे बारे में कुछ भी बोला जा रहा है।

बीसी सखी ने निकाली न्याय तिरंगा यात्रा पुलिस ने हिरासत में लेकर इको गार्डेन भेजा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में सोमवार को बीसी सखी ने अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन किया और न्याय यात्रा निकाली। इस दौरान सभी प्रदर्शनकारी विधानसभा की तरफ मार्च कर रही थीं।

हालांकि, सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें बापू भवन के पास रोक लिया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लेकर इको गार्डेन भेजने का काम शुरू कर दिया। बीसी सखियों ने नियमित करने व वेतन 10 हजार रुपये करने की मांग की है। इस दौरान बीसी सखी के एक पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलाने के लिए ले जाया गया है।

पूरे देश में बारिश फिर बनी जानलेवा यूपी में 30 से ज्यादा लोगों की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश के कई हिस्सों में मानसून में हो रही बारिश ने लोगों को परेशान कर के रख दिया है। पहाड़ों से मैदान तक कई हिस्सों में तेज बारिश हो रही है। बारिश इतनी भ्यानक हो रही है कि पूरे देश 24 घंटे में सैकड़ों लोगों ने अपनी जान गंवा दी है।

यूपी में 30 से ज्यादा लोगों के मरने की खबर है। तेज बारिश की वजह से कई नदियां उफान पर हैं। इसी बीच उत्तर-दक्षिण-पूर्व से लेकर पश्चिम भारत के कई हिस्सों में जमकर बादल बरसे, जिस वजह से शहरों में लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। उत्तर प्रदेश के लखनऊ, पंजाब के चंडीगढ़, राजस्थान के जयपुर, हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला और उत्तराखंड के हरिद्वार में भी लोगों का बुरा हाल है। यहां भी बारिश में जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई है और लोगों की मुश्किलें बढ़ रही हैं।

जहानाबाद में भगदड़ में 7 की मौत

बिहार के वाणावर पहाड़ पर स्थित बाबा सिद्धेश्वरनाथ धाम में हुआ हादसा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जहानाबाद/ गया । बिहार के जहानाबाद में सावन की चौथी सोमवारी पर बड़ा हादसा हुआ। वाणावर पहाड़ पर स्थित बाबा सिद्धेश्वरनाथ धाम में भगदड़ मचने से पांच महिलाओं समेत सात श्रद्धालुओं की मौत हो गई।

वहीं 10 से ज्यादा लोग घायल हो गए हैं। हादसे के बाद प्रत्यक्षदर्शियों ने जो खुलासे किए वह चौंकाने वाले थे। उनका दावा है पुलिस-प्रशासन अगर सजग रहती तो इतना बड़ा हादसा नहीं होता। मरने वालों को परिजनों ने तो यह तक आरोप लगा दिया कि अगर पुलिस लाठियां नहीं चटकाती तो भगदड़ ही नहीं मचती। पुलिस की लाठी के डर से लोग इधर-उधर भागने लगे।

सीढ़ी पर आगे बढ़ने की आपाधापी में हाथापाई

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि सीढ़ी पर फूलवालों के बीच हाथापाई हुई। वहां पुलिस भी नहीं थी। अगर पुलिसकर्मी रहते तो फूलवालों के बीच हाथापाई भी नहीं होती। यह सब मेरे सामने ही हुआ। इतने सारे हममें से लोग वहां फंसे हुए थे, किसी ने मुझे वहां से निकाला। अगर मैं एक या दो मिनट और वहां फंसा रहता, तो भगदड़ के कारण मेरी मौत हो जाती। वहीं अस्पताल में एक महिला ने बताया कि धक्का-मुक्की के कारण ही ऐसा हुआ। भीड़ पूरी तरह बेकाबू हो गई थी।

एक्सप्रेसवे पर पोल से टकराई कार, तीन युवकों की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नोएडा। उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्धनगर जिले में बड़ा हादसा हुआ है। नोएडा ग्रेटर-नोएडा एक्सप्रेसवे पर मयूर चौराहे के सामने तेज रफ्तार कार एडवरटाइजिंग पोल से टकरा गई। हादसे में कार सवार तीनों युवकों की मौत हो गई।

पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, सोमवार को सेक्टर 126 थाना इलाके में नोएडा ग्रेटर-नोएडा एक्सप्रेसवे पर मयूर चौराहे के सामने गाड़ी नंबर यूपी 16 डीएन 9881 टाटा टियागो पोल से टकरा गई, कार सवार तीनों लोगों को अस्पताल ले जाया गया। यहां डाक्टरों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। मृतकों में दो की पहचान ईशान और आर्यन पुत्र सुनील कश्यप निवासी नोएडा एक्सटेंशन पाम ओलंपिया के रूप में पहचान हुई है। एक शव की पहचान बाकी है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार:** सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार:** संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट:** हसन जैदी, **दूरभाष:** 0522- 4078371 | **Email:** daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।